

अन्तिमा

अन्तिमा एक ऐसी बच्ची है जिसका नाम ही उसके ऊपर विरोधाभास माझूम जान पड़ता है। ये बच्ची मेरी लर्न कक्षा में पढ़ती है जब मैं इससे अपनी कक्षा में मिली तो मैंने देखा कि कक्षा के एक कोने में एकदम शान्त बैठी थी। बोल ही नहीं रही थी तो अन्य बच्चों ने बताया कि मैम, ये ऐसे ही रहती है तथा कुछ पूछने पर रोने लगती है मैंने उससे कारण जानने का बहुत प्रयास किया लेकिन कुछ पता नहीं कर पायी।

तब मैं उसके घर उसके पापा विमल राजभर तथा उसकी माँ गुलश्या से मिली तथा उनकी बच्ची के इस व्यवहार का कारण जानने का प्रयास किया तब उसकी माँ ने बताया कि मैडम अन्तिमा के पापा नशे का सेवन करते हैं तथा सेवन करने के बाद प्रतिदिन घर का माहौल बहुत खराब कर देते हैं मारते-पीटते हैं इसी माहौल के डर से मेरी बच्ची के मन में डर बैठ गया है जिससे उसका व्यथन कहीं खो रहा है।

ये सब बातें उसके पापा वही सुन रहे थे और कहीं न कहीं अपनी गलती का इहसास भी कर रहे थे, मैंने उनसे पूछा कि क्या आप ने जिन प्रकार अपनी बेटी का नाम अन्तिमा रखा है वैसे ही उसके व्यथन एवं उसके सपनों का भी अन्त कर देना चाहते हैं। उसके पापा बोले, मैडम मैं बहुत शर्मन्दा हूँ, मुझे इहसास हो गया अब मैं अपनी बेटी के नाम का अन्त उसके सपनों का अन्त नहीं उसके सपनों में पंख लगाऊँगा। कुछ दिनों बाद ही अन्तिमा के व्यवहार में परिवर्तन दिखने लगा अब वह हँसती है, खेलती है तथा मेरी लर्न कक्षा की सक्रिय छात्रा है।

CASE STUDY

नाम — गोविन्दा

कक्षा — तीन

विद्यालय — प्राथमिक विद्यालय बसोडिया

गोविन्दा सिवारपदवी गाँव का रहने वाला है। इसके पिताजी का नाम बलराम है। जो खेती कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। इसकी माता का नाम संगीता है। जो घर-बहरी सँभालती है। गोविन्दा मेरे लर्न कक्षा में कक्षा तीन का छात्र है। वह पढ़ने में बहुत ही कमजोर था। उसका पढ़ने में बिल्कुल भी मन नहीं लगता था। कक्षा में सारे बच्चों को बहुत परेशान करता था। वह विद्यालय में ज्यादा अनुपस्थिति भी रहता था। लेकिन जब से वह लर्न कक्षा में पढ़ रहा है तब से वह उसमें बहुत सुधार हुआ है। उसे अब A to Z, a to z, अ से अः, क से कः, गिनती 1 to 100, एक अंको का जोड़ भी उसे आ गया है। वह विद्यालय अब प्रतिदिन आता है। और पढ़ने में भी मन लगता है। उसकी Handwriting में भी काफी सुधार हुआ है। उसकी Handwriting देखकर काफी बच्चों में भी सुधार हो रहा है। यह देखकर मुझे काफी अच्छा लगता है।

Date: 15-07-20

शिक्षिका का नाम -	कुंठ प्रतिभा पाठक
विद्यालय का नाम -	प्राथमिक विद्यालय कुरुवा श्री ० द्रो अत्रो लोपा आजमगढ़
Ro/No -	37
Mo/No -	9161621818



"Case Study"

लार्मार्थी का नाम -	अंकुर
पिता का नाम -	हरिश्चन्द्र
माता का नाम -	अनीता देवी
माता पिता की शिक्षा -	माता अशिक्षित - पिता - 6 पाठ
माता पिता की व्यवसाय -	कृषि

अंकुर :- अंकुर मेरे लर्ने क्लास का छात्र है वह बहुत ही गरीब घर का लड़का है, वह विद्यालय में छात्रा उ का छात्र है, वह बिना पप्पल पढ़ने स्कूल आता था और कपड़े भी बहुत गन्दे पहनकर आता था, बैग का भी कुछ पता नहीं था कभी लेकर आता था तो कभी नहीं, विद्यालय के रुम में बैठकर रो रहा था जब मैं उसके पास गई तो पूछी कि बच्चे क्यों रो रहे हो वह कुछ भी नहीं बोला मैं उसे बुलाकर बाहर लई ली उसके सगल का लड़का बोला मैंम यह स्कूल नहीं आ रहा था तो इसकी

मम्मी इसे डंडे से प्रकार करते हुए इसे बख्खलेर आई थी
उसके बाद मैं पूछी कि वह है क्यों वह लड़का बोला
मैं घर गई। तो मैं उसके मम्मी के पछों फोन लगाई
तो वह बोली मैं अंकुर स्कूल नहीं जा रहा था।
इसीलिए मैं उसे मारते हुए स्कूल लेकर गई थी।
मैं अंकुर से बोली बेला तुम स्कूल क्यों नहीं आना चाहते
हो वह बोला मैं मेरे पास न पेंसिल है, और न ही
कॉपी मैं बोली यदि तुम्हें पेंसिल कॉपी मिल जाएगी तो
तुम ठीकी स्कूल आओगे अंकुर बोला हाँ मैं मैं रोज स्कूल
आऊँगा। मैं उसी समय स्कूल सहायक अध्यापक से बच्चे
के लिए पेंसिल कॉपी मंगवाई और अंकुर को दी और बच्चा
पेंसिल और कॉपी को हाथ में लेकरके दसने लगा बोला
मैं मैं रोना विद्यालय आऊँगा उसके बाद वह मेरे लर्न
क्लास में आया और मैं उसे पहले बु लिखावाई और
वह बच्चा कोशिश करते हुए लिख लिपा, और बहुत खुश
हुआ मैं बोली अंकुर कल अपना कपड़ा साफ करवा
लेना वह बोला ठीक है मैं मैं बोली कपड़े के साथ-साथ
अपने शरीर की भी सफाई करके आना सुबह सोकट उठने
के बाद शौच के बाद नहा लेना फिर नाश्ता उसके बाद
साफ सुथरे कपड़े पहने कर 7:30 पर विद्यालय आ जाना
बोला ठीक है मैं अगले दिन जब मैं विद्यालय पर
पहुँची तो अंकुर उस दिन मुझसे गुडमॉर्निंग बोला और
साफ-सुथरे कपड़े पहने हुए ग्रेपर स्थल पर मिला
मेरे विद्यालय के प्रधानाचार्य जी मुझसे बहुत प्रसन्न
हूए और बोले कि प्रतिभा आपसे मैं बहुत खुश
हूँ मिले लड़के को कुछ कहे पर खलई आती थी
आज वही बच्चा विद्यालय में सबसे अच्छा बच्चा
कहलाने लगा। प्रिंसिपल जी बोले आपको धन्यवाद